



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 5 मई, 2007/15 वैशाख, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER, SHIMLA, DISTRICT SHIMLA (H. P.)

ORDER

[Shimla-1, the 11th April, 2007]

No. PCH-SML(4)-26/2006-2466-71.—Whereas Sh. Hari Om Thakur, Pradhan (Suspended), Gram Panchayat, Gopalpur, Development Block, Rampur, District Shimla was placed under suspension by the District Panchayat Officer, Shimla vide office order No. PCH-SML(4)26/2006-1246-1251, dated 3-4-2007 for misappropriation of Government funds and for committing irregularities while functioning as Pradhan.

And, whereas Sh. Hari Om Thakur, Pradhan (Suspended), Gram Panchayat, Gopalpur, Development Block, Rampur, District Shimla has been involved in committing financial irregularities while functioning as Pradhan. In order to bring transparency and to check such practices the undersigned institute regular inquiry under section 146 (1) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 against Sh. Hari Om Thakur, Pradhan (Suspended), Gram Panchayat Gopalpur.

Therefore, I, Tarun Kapoor, Deputy Commissioner, Shimla in exercise of the powers vested in me under section 146 (1) of the H. P. Panchayati Raj Act, 1994 (Amended) order regular inquiry against Sh. Hari Om Thakur, Pradhan (Suspended), Gram Panchayat, Gopalpur for which Sub-Divisional Officer (Civil), Rampur is appointed as Inquiry Officer and Panchayat Sub-Inspector. Development Block Rampur as Presenting Officer. The Inquiry Officer is requested to submit his report to the undersigned within 6 month from the date of issue of suspension order as required under section 145 (3) of the H. P. Panchayati Raj Act, 1994. The suspended Pradhan is also hereby directed to put forth his defence before the Inquiry Officer in person.

TARUN KAPOOR,
Deputy Commissioner,
Shimla, District Shimla.

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला, 16 अप्रैल, 2007

संख्या पीसीएच-एसएमएल (4) 102/84-2508-12.—यह कि प्रधान ग्राम पंचायत शटैया द्वारा अपने पत्र संख्या पंच-सं0-11/2006-57, दिनांक 7-9-2006 के अन्तर्गत श्रीमती आशा कंवर पंच बाई जाउ-2, ग्राम पंचायत शटैया को ग्राम पंचायत की लगातार 9 बैठकों से अनुपस्थित रहने बारे नोटिस दिया।

यह कि ग्राम पंचायत शटैया द्वारा दिनांक 5-1-2007 उस्थिति 5/6 को प्रस्ताव संख्या 4 पारित किया गया जिसमें श्रीमती आशा कंवर की अनुपस्थिति बारे सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।

यह कि मामले में खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग से रिकार्ड के आधार पर रिपोर्ट दिनांक 29-3-2007 को प्राप्त हुई जिसे स्पष्ट है कि श्रीमती आशा कंवर दिनांक 25-3-2006 से लगातार पंचायत बैठकों से अनुपस्थित रह रही है।

उक्त पंच द्वारा अपनी अनुपस्थिति के प्रमाण में न तो पंचायत को कोई सूचना दी है और न ही अपनी स्थिति स्पष्ट की है। विदित है कि उक्त पंच जानबूझकर पंचायत बैठकों से अनुपस्थित रह रही है तथा पंचायत की कार्य कुशलता को लगातार बांछित कर रही है।

अनः मैं, तरुण कपूर, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (बी) में निर्दिष्ट है, का प्रयोग करते हुए श्रीमती आशा कंवर पंच बाई जाउ-2, ग्राम पंचायत शटैया, विकास खण्ड ठियोग जिला शिमला को कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि क्यों न उनके उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निर्हरित करके उनका पद रिक्त घोषित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ कहना नहीं चाहती व नियमानुसार एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

तरुण कपूर,
उपायुक्त,
शिमला (हि0 प्र0)।

कार्यालय उपायुक्त (जिला दण्डाधिकारी), जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

नाहन, 10 अप्रैल, 2007

क्रमांक विविध-10 (3)/2004-172.—चूंकि ग्रीष्म ऋतु में संक्रमण रोग जैसे हैजा, अन्त्रिशोध, डायरिया आदि के फैलने का अन्देश बना रहता है इसलिए उनके निवारण/उपाय अपनाने अत्यन्त आवश्यक है।

अतः मैं, आर० एस० नेगी, उपायुक्त (जिला दण्डाधिकारी), जिला सिरमौर, नाहन महामारी अधिनियम, 1897 की धारा 2 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 17-7/71-एच० पी० व एफ० पी०, दिनांक 2-7-1974 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये निम्न खाद्य सामग्री व अन्य वस्तुओं का जिला सिरमौर में बेचने पर प्रतिबन्ध लगाता हूँ :—

- (1) ज्यादा पक्के हुये फल एवं सब्जियां तथा प्रत्येक प्रकार के अन्य खाद्य पदार्थ एवं खनिज जल जो हिमाचल प्रदेश के जीवाणु विज्ञान-विद् के अनुमोदन बिना तैयार किये गये हों तथा प्रयोग योग्य न हों।
- (2) खुले बेचे जाने वाले फल व मिठाईयां, बोतल बन्द किये गये समस्त पेय पदार्थ, जामुन, ककड़ी, अमरूद, कुल्फी, आईस-क्रीम व फूलदा इत्यादि जब तक उनको ढका न गया हो।
- (3) यह भी आदेश दिये जा रहे हैं कि हैजा/अन्त्रिशोध/अतिसार फैलने की आशंका होने पर इलाके में रहने वाले समस्त व्यक्तियों को हैजा/अन्त्रिशोध/अतिसार निरोधक टीका लगवाना होगा।
- (4) उक्त आदेशों के कार्यान्वयन के लिए मैं निम्न अधिकारियों को प्राधिकृत करता हूँ तथा ऐसा करते समय वे गोदाम/बाजार/मकान/स्टाल या अन्य किसी भी ऐसे स्थान पर जहाँ उक्त पदार्थों का उत्पादन/निर्माण/बिक्री/भण्डारण किया जाता हो, के निरीक्षण/अभियोग/निराकरण व नष्ट करने के उद्देश्य से दाखिल हो सकते हैं।

इन अधिकारियों को धारा 188 आई० पी० सी० के अन्तर्गत न्यायानुय में कार्यवाही करने के लिए भी अधिकृत किया जाता है :—

- (क) स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन।
- (ख) चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) सिविल अस्पताल/ग्रामीण अस्पताल/सिविल डिस्पेंसरी एवं जन स्वास्थ्य केन्द्र।
- (ग) खाद्य निरीक्षक, जिला सिरमौर, नाहन।
- (घ) सफाई निरीक्षक/स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, जिला सिरमौर, नाहन।
- (ङ) समस्त कार्यकारी दण्डाधिकारी, जिला सिरमौर।

उक्त आदेश इसको जारी होने की तिथि से तत्काल प्रभावी होंगे तथा दिनांक 31-3-2008 तक लागू रहेंगे।

आर० एस० नेगी,
उपायुक्त,
जिला सिरमौर (हि० प्र०)।

